1 थिस्सलुनीकियों

1 पौलुस और सिलवानुस और तीमुथियुस
की ओर से थिस्सलुनीकियों की
कलीसिया[a] के नाम जो परमेश्वर पिता और
प्रभु यीशु मसीह में है, अनुग्रह और शान्ति
तुम्हें मिलती रहे।
2 हम अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हें याद करते
और सदा तुम सब के बारे में परमेश्वर का
धन्यवाद करते हैं। 3 हम अपने परमेश्वर
और पिता के सामने तुम्हारे विश्वास के
काम और प्रेम का परिश्रम और हमारे प्रभु
यीशु मसीह में आशा के धीरज को लगातार
याद करते हैं। 4 हे भाईयो और बहनो,
परमेश्वर के प्रिय लोगो हम जानते हैं, कि तुम
चुने हुए हो। 5 क्योंकि हमारा सुसंदेश तुम्हारे
यहाँ सिर्फ़ शब्दों में नहीं, लेकिन सामर्थ,
पवित्र आत्मा और बड़ी निश्चयता के साथ
पहुँचाया गया। तुम जानते हो, कि हम तुम्हारे
लिये तुम में कैसे बन गए थे। 6 तुम बड़े सताव
में पवित्र आत्मा के आनन्द के साथ वचन
को मानकर हमारी और प्रभु की सी चाल
चलने लगे। 7 इसलिए तुम मकिदुनिया और
अखाया के सब विश्वासियों के लिये एक
नमूना बन गए थे। 8 क्योंकि तुम्हारे यहाँ से न
केवल मकिदुनिया और अखाया में प्रभु का
संदेश सुनाया गया, लेकिन तुम्हारे विश्वास
की, जो परमेश्वर पर है हर जगह ऐसी चर्चा
हो रही है कि हमें कहने की ज़रूरत ही नहीं।
9 क्योंकि वे आप ही हमारे विषय में बताते हैं
कि तुम्हारे पास हमारा आना कैसा हुआ और
तुम क्यों मूरतों से परमेश्वर की ओर मुड़ गए
ताकि जीवित और सच्चे परमेश्वर की सेवा
करो। 10 और उनके बेटे के स्वर्ग पर से आने
की बाट जोहते रहो जिन्हें उन्होंने मरे हुओं में
से जिलाया, अर्थात् यीशु की, जो हमें आने
वाले दण्ड से बचाते हैं।

2 हे भाईयो-बहनो, तुम आप ही जानते हो
कि हमारा तुम्हारे पास आना बेकार न
हुआ। 2 जैसा कि तुम जानते हो, कि पहिले
फ़िलिप्पी में दुःख उठाने और उपद्रव सहने
पर भी हमारे परमेश्वर ने हमें ऐसी हिम्मत
दी, कि हम परमेश्वर का अच्छा-संदेश भारी
विरोध के होते हुए भी तुम्हें सुनाएँ। 3 क्योंकि
हमारा उपदेश न भ्रम से है और न अशुद्धता से
और न छल के साथ। 4 किन्तु जैसा परमेश्वर
ने हमें योग्य ठहराकर सुसमाचार सौंपा, हम
वैसा ही बताते है, और इस में मनुष्यों को
नहीं, परन्तु परमेश्वर को, जो हमारे मनों
को जाँचते हैं, खुश करते हैं। 5 जैसा कि तुम
जानते हो, कि हम न तो कभी चापलूसी की
बातें किया करते थे और न लालच के लिये
बहाना बनाया करते थे। परमेश्वर हमारे
गवाह हैं। 6 हालांकि हम मसीह के प्रेरित होने
के कारण तुम पर बोझ डाल सकते थे, तौभी
हम मनुष्यों से आदर नहीं चाहते थे, और
न तुम से, न और किसी से। 7 परन्तु जिस
तरह माता अपने बालकों का पालन-पोषण
करती है, वैसे ही हम ने भी तुम्हारे बीच
में रह कर कोमलता दिखाई है, 8 और वैसे
ही हम तुम्हारी लालसा करते हुए, न केवल
परमेश्वर का सुसमाचार, पर अपनी जान भी
तुम्हें देने को तैयार थे, इसलिये कि तुम हमारे

[a] 1.1 चर्च

लिए कीमती हो गए थे। 9 हे भाईयो बहनो,
तुम हमारी मेहनत और कष्ट को याद रखते
हो, कि हम ने इसलिये रात दिन मेहनत करते
हुए तुम में परमेश्वर का सुसमाचार दिया, कि
तुम में से किसी पर भार न हो।
10 तुम आप ही गवाह हो और परमेश्वर
भी, कि तुम्हारे बीच में जो विश्वास रखते
हो हम कैसी पवित्रता और निर्दोषता से रहे।
11 तुम जानते हो, कि जैसा पिता अपने बच्चों
के साथ बर्ताव करता है, वैसे ही तुम में से
हर एक को भी उपदेश करते, और शान्ति
देते और समझाते थे। 12 कि तुम्हारा चरित्र
परमेश्वर के योग्य हो, जो तुम्हें अपने राज्य
और महिमा में बुलाते हैं।
13 इसलिये हम भी परमेश्वर का धन्यवाद
निरन्तर करते हैं, कि जब हमारे द्वारा
परमेश्वर के सुसमाचार का वचन तुम्हारे
पास पहुँचा, तो तुमने उसे मनुष्यों का नहीं,
परन्तु परमेश्वर का वचन समझकर और
सचमुच यह ऐसा ही है, स्वीकार किया।
वह वचन तुम में, जो विश्वास रखते हो,
प्रभावशाली है। 14 हे भाईयो बहनो, तुम
परमेश्वर की उन कलीसियाओं के समान
जीवन जीने लगे, जो यहूदिया में मसीह
यीशु में हैं, क्योंकि तुमने भी अपने लोगों से
वैसा ही दुःख पाया, जैसा उन्होंने यहूदियों
से पाया था, 15 जिन्होंने प्रभु यीशु को और
भविष्यवक्ताओं को भी मार डाला और हम
को भी सताया। परमेश्वर उन से खुश नहीं
और वे सब मनुष्यों का विरोध करते हैं।
16 क्योंकि वे गैर यहूदियों से बातें करने से
हमें रोकते हैं, कि सदा अपने अपराधों को
पैमाना भरते रहे, किन्तु उन पर परमेश्वर की
डरा देने वाली सज़ा आ चुकी है।
17 हे भाईयो बहनो, हम थोड़ी देर के लिये
मन में नहीं वरन् प्रगट में तुम से अलग हो गए
थे, इसलिए हम ने बड़ी चाह के साथ तुम्हारा
मुँह देखने के लिए और भी अधिक कोशिश
की। 18 इसलिए हम ने[a] एक बार नहीं, वरन्
दो बार तुम्हारे पास आना चाहा, परन्तु शैतान
हमें रोके रहा। 19 हमारी आशा या आनन्द
या उल्लास का मुकुट क्या है? क्या हमारे प्रभु
यीशु के सामने उनके आने के समय तुम ही न
होगे? 20 हमारी महिमा और आनन्द तुम ही
हो।

3 इसलिये जब हम से और न रहा गया, तो
हम ने यह सोचा कि एथेन्स में अकेले रह
जाएँ, और हम ने तीमुथियुस को जो मसीह के
सुसमाचार में हमारा भाई और परमेश्वर का
सेवक है, इसलिये भेजा, कि वह तुम्हें स्थिर
करे और तुम्हारे विश्वास के विषय में तुम्हें
समझाए, 3 कि कोई इन मुसीबतों के कारण
डगमगा न जाए, क्योंकि तुम आप जानते
हो, कि हम इन्हीं के लिये ठहराए गए हैं।
4 क्योंकि पहले भी, जब हम तुम्हारे यहाँ थे,
तो तुम से कहा करते थे, कि हमें परेशानियाँ
उठानी होंगी और ऐसा ही हुआ है और तुम
जानते भी हो। 5 इस कारण जब मुझ से और
न रहा गया, तो तुम्हारे विश्वास का हाल
जानने के लिए उसे भेजा, कि कहीं ऐसा न
हो, कि परीक्षा करने वाले ने तुम्हारी परीक्षा
की हो और हमारी मेहनत बेकार हो गयी हो।
6 लेकिन अभी तीमुथियुस ने जो तुम्हारे
पास से हमारे यहाँ आकर तुम्हारे विश्वास
और प्रेम का समाचार सुनाया और यह भी
बताया कि तुम सदा प्रेम के साथ हमें याद
करते हो और हमें देखने की इच्छा रखते

[a] **2.18** अर्थात् मुझ पौलुस ने

हो, जैसा हम भी तुम्हें देखने की चाह रखते
हैं। 7 इसलिये हे भाईयो बहनो, हम ने अपने
सारे कष्टों और सताव में तुम्हारे विश्वास से
तुम्हारे विषय में शान्ति पाई। 8,9 अब यदि तुम
प्रभु में बने रहो तो हम जीवित हैं। जैसी खुशी
हमें तुम्हारे कारण अपने परमेश्वर के सामने
है, उसके बदले तुम्हारे विषय में हम कैसे
परमेश्वर की बड़ाई करें? 10 हम रात दिन
बहुत ही प्रार्थना करते रहते हैं, कि तुम्हारा
मुँह देखें और तुम्हारे विश्वास की कमी पूरा
करें।

11 अब हमारे परमेश्वर और प्रभु यीशु,
तुम्हारे यहाँ आने के लिये हमारी अगुवाई
करें 12 और प्रभु ऐसा करें कि जैसा हम तुम
से प्रेम रखते हैं वैसा ही तुम्हारा प्रेम भी
आपस में और सब लोगों के लिए बढ़ता
जाए। 13 ताकि जब हमारे प्रभु यीशु अपने सब
पवित्र लोगों के साथ आएँ, तो वह तुम्हारे
मनों को हमारे पिता परमेश्वर के सामने
पवित्रता में दोष-रहित ठहराएँ।

4 अन्त में हे भाईयो-बहनो, हम तुम से
बिनती करते हैं, और तुम्हें प्रभु यीशु
में समझाते हैं, कि जैसे तुमने हम से खरा
जीवन जीना, और परमेश्वर को सन्तुष्ट
करना सीखा है, और जैसा तुम्हारा जीवन है,
वैसे ही और भी बढ़ते जाओ। 2 क्योंकि तुम
जानते हो, कि हम ने प्रभु यीशु की ओर से
तुम्हें कौन कौन सी आज्ञा पहुँचाई।

3 क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है, कि
तुम पवित्र बनो अर्थात् व्यभिचार से बचे
रहो। 4 कि तुम में से हर एक पवित्रता और
आदर के साथ अपने जीवन साथी को प्राप्त
करना जाने। 5 और यह काम अभिलाषा
से[a] नहीं, और न उन लोगों की तरह, जो
परमेश्वर को नहीं जानते, 6 कि इस बात में
कोई अपने भाई को न ठगे, और न उसका
अपराध करे, क्योंकि प्रभु इन सब बातों का
बदला लेने वाले हैं, जैसा कि हम ने पहिले
तुम से कहा था, और चेतावनी भी दी थी।
7 क्योंकि परमेश्वर ने हमें अशुद्ध होने के
लिये नहीं, परन्तु पवित्र होने के लिये बुलाया
है। 8 इस कारण जो इसे तुच्छ जानता है, वह
मनुष्य को नहीं, परन्तु परमेश्वर को तुच्छ
जानता है, जो अपना पवित्र आत्मा तुम्हें देते
हैं।

9 किन्तु भाईचारे के प्यार के बारे में यह
ज़रूरी नहीं, कि मैं तुम का कुछ लिखूँ,
क्योंकि आपस में प्रेम रखना तुमने आप
ही परमेश्वर से सीखा है। 10 तुम सारे
मकिदुनिया के सब भाई बहनों के साथ ऐसा
करते भी हो। हे भाई बहनो, हम तुम्हें समझाते
हैं, कि और भी बढ़ते जाओ, 11 जैसी हम
ने तुम्हें आज्ञा दी, वैसे ही चुपचाप रहने
और अपना-अपना काम-काज करने, और
अपने-अपने हाथों से कमाने की कोशिश
करो, 12 ताकि बाहर वालों से तुम्हें आदर[b]
मिले, और तुम्हें किसी वस्तु की कमी न हो।

13 हे भाईयो बहनो, हम नहीं चाहते, कि तुम
उनके विषय में जो सो चुके हैं[c], अनजान रहो
और उन लोगों के समान विलाप करो जिन्हें
आशा नहीं।

14 क्योंकि यदि हम विश्वास करते हैं,
कि यीशु मरे और जी भी उठे, तो वैसे ही
परमेश्वर उन्हें भी जो यीशु में सो गए हैं,
उन्हीं के साथ ले आएँगे। 15 हम प्रभु के वचन
के अनुसार तुम से यह कहते हैं, कि हम जो
जीवित है और प्रभु के आने तक बचे रहेंगे
तो सोए हुओं[d] से कभी आगे न बढ़ेंगे। 16 प्रभु
आप ही स्वर्ग से उतरेंगे। उस समय ललकार

[a] **4.5** भावनाओं में बहकर [b] **4.12** इज़्ज़त [c] **4.13** या मर चुके हैं [d] **4.15** मर चुके लोगों

और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा और परमेश्वर की तुरही फूँकी जाएगी और जो मसीह में मरे हैं, वे पहिले जी उठेंगे।
17 तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनके
साथ बादलों पर उठा लिए जाएँगे, ताकि हवा
में प्रभु से मिलें और इस तरह से हम सदा प्रभु
के साथ रहेंगे। 18 इन बातों से एक दूसरे को
शान्ति दिया करो।

5 हे भाईयो-बहनो, इसकी ज़रूरत नहीं,
कि समयों और युगों के विषय में तुम्हें
कुछ सिखाया जाए। 2 क्योंकि तुम आप ठीक
जानते हो कि जैसे रात को चोर आता है, वैसे
ही प्रभु का दिन आने वाला है।
3 जब लोग कहते होंगे, कि कुशल है और
कुछ डर नहीं, तब उन पर अचानक विनाश
आ पड़ेगा। जैसे गर्भवती स्त्री पर अचानक
प्रसव की पीड़ा आती है, वैसे ही उनके लिए
भी दर्द का समय आएगा, और वे किसी रीति
से न बचेंगे। 4 परन्तु तुम तो अज्ञानता और
बुराई में नहीं हो, कि वह दिन तुम पर चोर की
तरह आ पड़े। 5 क्योंकि तुम सब ज्योति की
संतान और दिन की संतान हो। हम न रात के
हैं, न अंधकार के हैं। 6 इसलिये हम दूसरों के
समान सोते न रहें, पर जागते और सावधान
रहें। 7 क्योंकि जो सोते हैं, वे रात ही को सोते
हैं और जो मतवाले होते हैं, वे रात ही को
मतवाले होते हैं। 8 परन्तु हम जो दिन के हैं,
विश्वास और प्रेम की झिलम पहनकर और
मुक्ति की आशा का टोप पहनकर सावधान
रहें,
9 क्योंकि परमेश्वर ने हमें सज़ा के लिये
नहीं, परन्तु इसलिये ठहराया है, कि हम
अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा मुक्ति प्राप्त
करें। 10 वह हमारे लिये इस कारण मरे, कि
हम चाहे जागते हों, चाहे सोते हों, सब मिल
कर उन्हीं के साथ जियें।
11 इस कारण एक दूसरे को शान्ति दो और
एक दूसरे की उन्नति के कारण बनो, जैसा
कि तुम करते भी हो। 12 हम तुम से बिनती
करते हैं, कि जो तुम में मेहनत करते है
और प्रभु में तुम्हारे अगुवे हैं और तुम्हें शिक्षा
देते हैं, उनकी कही बातों पर ध्यान दो।
13 उनके काम के कारण प्रेम के साथ उनको
बहुत ही आदर के योग्य समझो। आपस में
मेल-मिलाप से रहो।
14 हे भाईयो बहनो, हम तुम्हें समझाते हैं कि
जो ठीक चाल नहीं चलते, उनको समझाओ।
डरने वालों को हिम्मत दो, कमज़ोरों
को संभालो, सब की ओर सहनशीलता
दिखाओ। 15 सावधान! कोई किसी से बुराई
के बदले बुराई न करे, लेकिन सदा भलाई
करने पर तत्पर रहो। आपस में और सब से
भी भलाई ही की कोशिश करो।
16 सदा खुश रहो। 17 निरन्तर प्रार्थना में लगे
रहो। 18 हर बात में आभार प्रकट करते रहो,
क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर
की यही इच्छा है।
19 आत्मा को न बुझाओ।
20 भविष्यवाणियों को तुच्छ न मानो। 21 सब
बातों को परखो, जो अच्छी है उसे पकड़े
रहो। 22 सब प्रकार की बुराई से बचे रहो।

23 शान्ति के परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी
तरह से पवित्र करें और तुम्हारे आत्मा, प्राण
और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक
निर्दोष रहें। 24 तुम्हारे बुलाने वाले, सच्चे हैं
और वह ऐसा ही करेंगे।

25 हे भाईयो, हमारे लिये प्रार्थना करो।
26 सब भाईयों को सलाम। 27 मैं तुम्हें आदेश
देता हूँ, कि यह पत्र सब भाईयों को पढ़ कर
सुनाया जाए।
28 हमारे प्रभु यीशु मसीह की असीम कृपा
तुम पर बनी रहे।

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com